श्रम अर्थशास्त्र

खण्ड–1 - श्रम अर्थशास्त्र

श्रम की अवधारणा
श्रम अर्थशास्त्र, अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व
श्रम बाजार
श्रम की पूर्ति अवधारणा
श्रम की मांग एवं श्रम की मांग के सिद्धान्त
श्रम की उत्पादकता
विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था में श्रम समस्याएँ
बेरोजगारी व अर्द्धबेरोजगारी

खण्ड–2 श्रम शक्ति संरचना एवं जन शक्ति योजना

जनसंख्या संरचना और जनशक्ति नियोजन
भारतीय वैज्ञानिक पुनर्गठन और स्वचालिता के संदर्भ में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में तकनीकी परिवर्तन एवं रोजगार
तकनीकी द्वैतवाद तथा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में
अनौपचारिक क्षेत्र का विकास
श्रम की गतिशीलता एवं प्रवास
नियोजन हेतु श्रम की मांग एवं आपूर्ति केप्रक्षेपण की विधियां
रोजगार सृजन कार्यक्रम

खण्ड–3 मजदूरी सिद्धान्त एवं नीति

मजदूरी निर्धारण सिद्धान्त
संस्थागत व सौदाकारी सिद्धान्त
मजदूरी ढाँचा और मजदूरी भिन्नता
मजदूरी भुगतान की पद्धतियाँ
विकासशील देशों में मजदूरी नीति : न्यूनतम मजदूरी,
उचित मजदूरी , पर्याप्त मजदूरी
भारत में न्यूनतम मजदूरी

खण्ड 4 श्रम सम्बन्ध एवं श्रम संघवाद

श्रम सम्बन्ध, अर्थ एवं क्षेत्र, श्रम संबंधों का बदलता प्रतिमान,
औद्योगिक सम्बन्ध व्यवस्था
भारत में कृषि श्रम
श्रम संघवाद
भारत में श्रमिक संघों का उदय, संरचना एवं समस्याएं
औद्योगिक शांति, बचाव एवं समझौते, औद्योगिक अशांति

दूर करने के उपाय
औद्योगिक सम्बन्ध तंत्र, औद्योगिक सम्बन्ध आयोग, श्रम न्यायालय कार्य समितियां, संयुक्त व्यवस्था परिषदें, प्रबन्ध में श्रमिकों की भागीदारी
सामूहिक सौदेबाजी, अर्थ, आवश्यकता एवं महत्व
भारत में सामूहिक सौदेबाजी
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, उद्देश्य, कार्य एवं उपलब्धियाँ

खण्ड–5 श्रम कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा

श्रम कल्याण – अवधारणा एवं संरचनात्मक ढाँचा
सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक सहायता एवं सामाजिक बीमा
भारत में सामाजिक सुरक्षा
श्रम कल्याण योजनाएं एवं संस्थाएं
भारत में महिला एवं बाल श्रम
भारत में ग्रामीण श्रम